राजकीय महाविद्यालय बनबसा चम्पावत (उत्तराखंड)

11 से 14 अप्रैल 2026 अम्बेडकर जयन्ती

शीर्षक–

अधिकार एवं न्याय: आर्थिक, राजनीतिक एवं सामाजिक न्याय (महिलाओं के विशेष सन्दर्भ में)'.

विस्तृत–आख्या

राजकीय महाविद्यालय, बनबसा (चम्पावत) के नेतृत्व में चार प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों एवं विश्व संवाद केंद्र, उत्तराखण्ड के संयुक्त तत्वावधान में आज दिनांक 11 अप्रैल को 'अधिकार एवं न्याय: आर्थिक, राजनीतिक एवं सामाजिक न्याय (महिलाओं के विशेष सन्दर्भ में)' विषय पर एक अत्यंत उच्च स्तरीय एवं ऐतिहासिक वेबिनार का आयोजन किया गया। यह बौद्धिक समागम न केवल एक शैक्षणिक अनिवार्यता थी, बल्कि यह सामाजिक सरोकारों की दिशा में एक सार्थक पहल साबित हुआ।

इस वेबिनार की सफलता में निम्नलिखित संस्थानों के समन्वय ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई:

- राजकीय महाविद्यालय, बनबसा (चम्पावत)
- राजकीय महाविद्यालय भिकियासैंण
- राजकीय मॉडल महाविद्यालय मीठीबेरी
- महायोगी गुरुगोरखनाथ राजकीय महाविद्यालय बिध्याणी
- विश्व संवाद केंद्र, उत्तराखण्ड

राजकीय महाविद्यालय, बनबसा (चम्पावत)

राजकीय महाविद्यालय, भिकियासैंण

राजकीय मॉडल महाविद्यालय, मीठीबेरी

महायोगी गुरूगोरखनाथ राजकीय महाविद्यालय, बिध्याणी (पौड़ी गढ़वाल)

एवं

विश्व संवाद केंद्र , उत्तराखण्ड प्रांत

के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित वेबिनार में

आपको सादर आमंत्रित करते हैं

मुख्य वक्ता

प्रो. स्मिता झा

विभागाध्यक्ष, मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग,
आईआईटी (IIT), रुड़की (उत्तराखंड)

अधिकार एवं न्याय
आर्थिक, राजनीतिक एवं
सामाजिक न्याय
महिलाओं के विशेष सन्दर्भ में

11 अप्रैल 2026 , सुबह 11:00 बजे

संरक्षक

प्रो. योगेश कुमार शर्मा

प्राचार्य, महायोगी गुरूगोरखनाथ राजकीय महाविद्यालय, बिध्याणी, पौड़ी गढ़वाल

प्रो. आनंद प्रकाश सिंह

प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय बनबसा, चम्पावत

मुख्य संरक्षक

प्रो. वी. एन. खाली

निदेशक, उच्च शिक्षा विभाग,
उत्तराखंड सरकार

श्री सुरेंद्र मित्तल जी

अध्यक्ष, विश्व संवाद केंद्र
उत्तराखण्ड प्रांत

प्रो. अर्चना गौतम

प्राचार्य, राजकीय मॉडल महाविद्यालय, मीठीबेरी

प्रो. शर्मिला सक्सेना

प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय भिकियासैंण

इस बौद्धिक अनुष्ठान को उच्च शिक्षा विभाग के निदेशक **प्रो. वी. एन. खाली जी** एवं विश्व संवाद केंद्र के अध्यक्ष **श्री सुरेंद्र मित्तल जी** का विशेष मार्गदर्शन एवं शुभाशीष प्राप्त हुआ। उनके विचारों ने इस आयोजन को एक नई दिशा दी एवं सभी प्रतिभागियों के लिए ऊर्जा एवं प्रेरणा का मुख्य स्रोत रहे।

उल्लेखनीय है कि यह आयोजन महान समाज सुधारक, शोषितों के पैरोकार एवं महिला शिक्षा के प्रणेता **महात्मा ज्योतिबा फुले जी** की जयंती (11 अप्रैल) के पावन अवसर पर किया गया। इससे इस वेबिनार की प्रासंगिकता और गहन हो गई। इस अवसर पर सभी संबद्ध महाविद्यालयों में उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई तथा उनके उच्च आदर्शों का स्मरण किया गया।

वेबिनार की मुख्य वक्ता के रूप में **प्रो. स्मिता झा** (विभागाध्यक्ष, मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग, IIT रुड़की) उपस्थित रहीं। उन्होंने महिलाओं के अधिकारों की संवैधानिक और सामाजिक परिधि पर अत्यंत गहराई से प्रकाश डाला। उन्होंने रेखांकित किया कि वास्तविक न्याय तभी संभव है जब महिलाओं को आर्थिक आत्मनिर्भरता के साथ-साथ राजनीतिक और सामाजिक निर्णयों में समान भागीदारी प्राप्त हो।

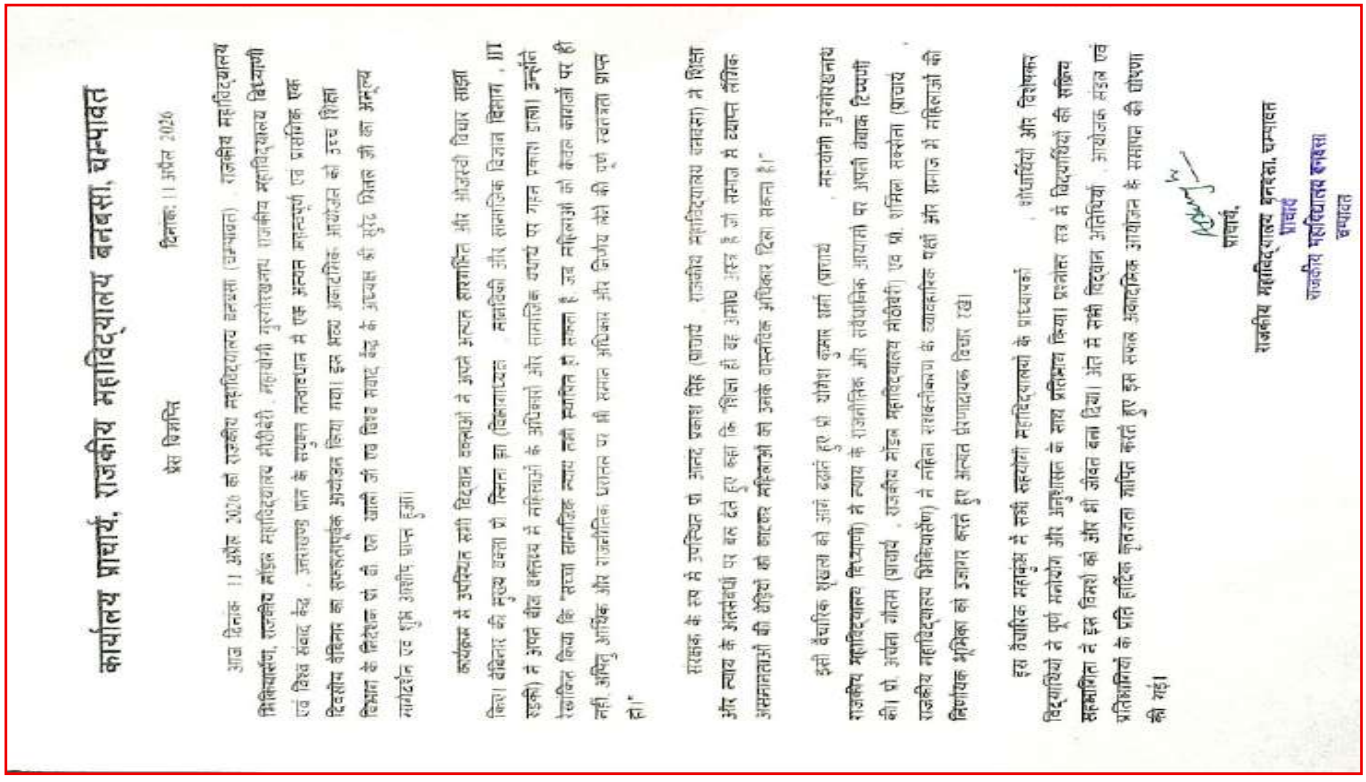

प्रेस रिपोर्ट

कार्यालय प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय बनबसा, चम्पावत

प्रेस विज्ञप्ति दिनांक: 11 अप्रैल 2026

आज दिनांक 11 अप्रैल 2026 को राजकीय महाविद्यालय बनबसा (चम्पावत), राजकीय महाविद्यालय भिकियासैण, राजकीय मॉडल महाविद्यालय मीठीबेरी, महायोगी गुरुगोरखनाथ राजकीय महाविद्यालय बिथ्याणी एवं विश्व संवाद केंद्र, उत्तराखण्ड प्रांत के संयुक्त तत्वावधान में एक अत्यंत महत्वपूर्ण एवं प्रासंगिक एक दिवसीय वेबिनार का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस भव्य अकादमिक आयोजन को उच्च शिक्षा विभाग के निदेशक प्रो. वी. एन. खाली जी एवं विश्व संवाद केंद्र के अध्यक्ष श्री सुरेंद्र मित्तल जी का अमूल्य मार्गदर्शन एवं शुभ आशीष प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी विद्वान वक्ताओं ने अपने अत्यंत सारगर्भित और ओजस्वी विचार साझा किए। वेबिनार की मुख्य वक्ता प्रो. स्मिता झा (विभागाध्यक्ष, मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग, IIT रुड़की) ने अपने बीज वक्तव्य में महिलाओं के अधिकारों और सामाजिक यथार्थ पर गहन प्रकाश डाला। उन्होंने रेखांकित किया कि "सच्चा सामाजिक न्याय तभी स्थापित हो सकता है, जब महिलाओं को केवल कागजों पर ही नहीं, अपितु आर्थिक और राजनीतिक धरातल पर भी समान अधिकार और निर्णय लेने की पूर्ण स्वतंत्रता प्राप्त हो।"

संरक्षक के रूप में उपस्थित प्रो. आनंद प्रकाश सिंह (प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय बनबसा) ने शिक्षा और न्याय के अंतर्संबंधों पर बल देते हुए कहा कि "शिक्षा ही वह अमोघ अस्त्र है जो समाज में व्याप्त लैंगिक असमानताओं की बेड़ियों को काटकर महिलाओं को उनके वास्तविक अधिकार दिला सकता है।"

इसी वैचारिक शृंखला को आगे बढ़ाते हुए प्रो. योगेश कुमार शर्मा (प्राचार्य, महायोगी गुरुगोरखनाथ राजकीय महाविद्यालय बिथ्याणी) ने न्याय के राजनीतिक और संवैधानिक आयामों पर अपनी बेबाक टिप्पणी की। प्रो. अर्चना गौतम (प्राचार्य, राजकीय मॉडल महाविद्यालय मीठीबेरी) एवं प्रो. शर्मिला सक्सेना (प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय भिकियासैण) ने महिला सशक्तीकरण के व्यावहारिक पक्षों और समाज में महिलाओं की निर्णायक भूमिका को उजागर करते हुए अत्यंत प्रेरणादायक विचार रखे।

इस वैचारिक महाकुंभ में सभी सहयोगी महाविद्यालयों के प्राध्यापकों, शोधार्थियों और विशेषकर विद्यार्थियों ने पूर्ण मनोयोग और अनुशासन के साथ प्रतिभाग किया। प्रश्नोत्तर सत्र में विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता ने इस विमर्श को और भी जीवंत बना दिया। अंत में सभी विद्वान अतिथियों, आयोजक मंडल एवं प्रतिभागियों के प्रति हार्दिक कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए इस सफल अकादमिक आयोजन के समापन की घोषणा की गई।

प्राचार्य,
राजकीय महाविद्यालय बनबसा, चम्पावत

प्राचार्य
राजकीय महाविद्यालय बनबसा
चम्पावत

People
Search for people
Contributors
75 others

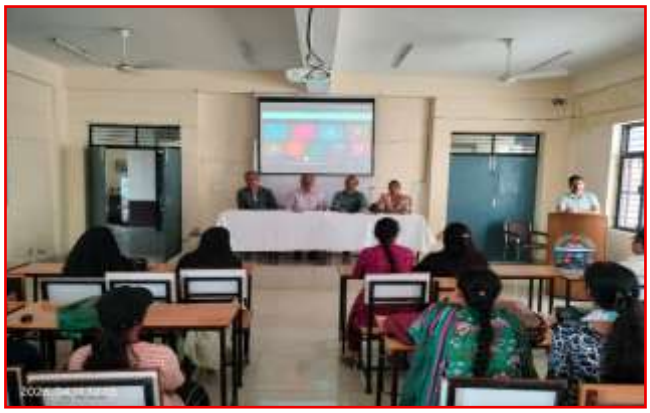

People
Contributors
78 others

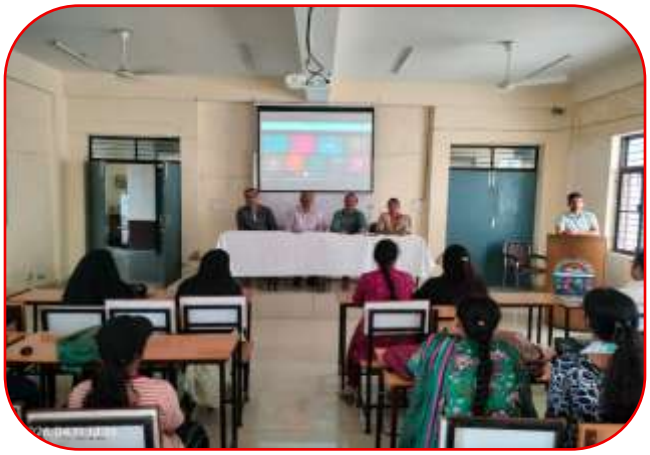

कार्यक्रम के संरक्षक के रूप में निम्नलिखित प्राचार्यों ने अपने सारगर्भित उद्बोधनों से न्याय के विभिन्न आयामों पर चर्चा की:

- **प्रो. आनंद प्रकाश सिंह** (प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय बनबसा)
- **प्रो. योगेश कुमार शर्मा** (प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय बिध्याणी)
- **प्रो. अर्चना गौतम** (प्राचार्य, राजकीय मॉडल महाविद्यालय मीठीबेरी)
- **प्रो. शर्मिला सक्सेना** (प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय भिकियासैंण)

सभी संरक्षकों ने समाज में महिलाओं की सशक्त भूमिका पर बल देते हुए शिक्षा को सबसे प्रभावी हथियार बताया।

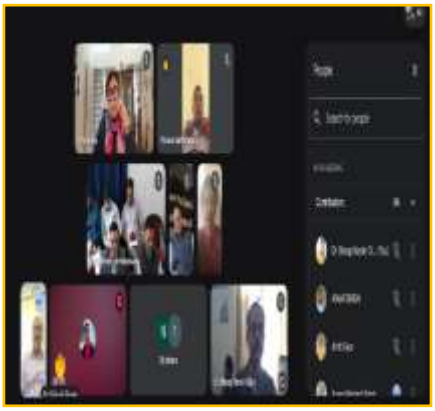

इस आयोजन की वास्तविक सफलता सभी महाविद्यालयों के ऊर्जावान एवं जिज्ञासु विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी में निहित रही। छात्र-छात्राओं ने न केवल पूर्ण अनुशासन के साथ व्याख्यानों का अवलोकन किया, बल्कि प्रश्नोत्तर सत्र के माध्यम से विषय की बारीकियों को गहराई से समझने का विशेष उत्साह दिखाया। विद्यार्थियों का यह अकादमिक समर्पण अत्यंत सराहनीय है।

मुख्य निष्कर्ष एवं सुझाव

- **आर्थिक न्याय:** महिलाओं को स्वरोजगार एवं कौशल विकास से जोड़ना आवश्यक है।
- **राजनीतिक न्याय:** निर्णय लेने की प्रक्रिया में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाना होगा।
- **सामाजिक न्याय:** लैंगिक भेदभाव की मानसिकता को समाप्त करने हेतु निरंतर संवाद की आवश्यकता

धन्यवाद

यह वैचारिक महाकुंभ अपने उद्देश्यों में पूर्णतः सफल रहा। कार्यक्रम के अंत में सभी आयोजकों, सहयोगियों, वक्ताओं और समस्त प्रतिभागियों का हृदय से हार्दिक आभार एवं साधुवाद व्यक्त किया गया। आयोजन समिति ने भविष्य में भी इस प्रकार के सार्थक संवाद आयोजित करने का संकल्प लिया।

संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर जी की 135 वीं जयन्ती–2026

निबन्ध प्रतियोगिता

वर्तमान भारत में भीमराव अम्बेडकर के आर्थिक विचारों की प्रासंगिकता

दिनांकः 11 / 04 / 2026